



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 24 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1500 घंटे

विषय: (i) पूर्व मध्य अरब सागर पर अवदाब।

(ii) दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र और 27 अक्टूबर तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में तीव्रता की संभावना है।

(iii) 24-28 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, केरल और माहे में; 24-29 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा; 28-29 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना; 27 को रायलसीमा में; 27 और 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

पिछले 24 घंटों की वास्तविक मौसम स्थिति (आज 24 अक्टूबर, 2025 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

वास्तविक मौसम के अधिक विवरण के लिए कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर कल बना अवदाब उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ गया है और आज, 24 अक्टूबर 2025 को सुबह 0530 बजे भारतीय मानक समय पर पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर पर केंद्रित हो गया है। यह उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ गया है और आज, 24 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय मानक समय पर पूर्व-मध्य अरब सागर पर, अक्षांश 14.0° उत्तर और देशांतर 70.6° पूर्व के पास, पंजिम (गोवा) से लगभग 380 किमी पश्चिम-दक्षिणपश्चिम, अमिनिदिवी (लक्षद्वीप) से 400 किमी उत्तर-पश्चिम और मँगलोर (कर्नाटक) से 480 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम में केंद्रित हो गया है। अगले 24 घंटों के दौरान इसके पूर्व-मध्य अरब सागर में लगभग उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ते रहने की संभावना है।
- दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिण अंडमान सागर पर कल के ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव से, आज, 24 अक्टूबर 2025 को सुबह 0530 बजे भारतीय समयानुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। यह धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 24 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार उसी क्षेत्र पर स्थित होगा। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने, 25 तारीख तक दक्षिण-पूर्व और उससे सटे मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक अवदाब में तीव्र होने, 26 तारीख तक एक गहरे अवदाब में परिवर्तित होने और 27 तारीख की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होने की संभावना है।
- कल दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और उसके आसपास के क्षेत्रों पर बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तरी केरल से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा, पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर उभरा और कल, 23 अक्टूबर 2025 को 1730 बजे IST पर कम स्पष्ट हो गया।

- 27 अक्टूबर, 2025 से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) 27 और 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तथा 27 अक्टूबर को रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर संभावित है।
- हल्की से मध्यम वर्षा/तूफान कई/कुछ स्थानों पर तमिलनाडु, केरल और माहे में 24 से 28 अक्टूबर तक; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में 24 से 29 अक्टूबर तक; तटीय कर्नाटक में 24 से 27 अक्टूबर तक; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 24 अक्टूबर को; तेलंगाना में 24, 27 और 28 अक्टूबर को; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 27 अक्टूबर को भारी वर्षा की संभावना; केरल और माहे में 24 अक्टूबर को; तमिलनाडु और तटीय कर्नाटक में 27 अक्टूबर को; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में 26 से 28 अक्टूबर तक अलग-अलग बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक क्षेत्र में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।
- तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में अगले 5 दिनों तक तेज सतही हवाएं (30-50 किमी/घंटा) संभावित है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 24 और 25 अक्टूबर को; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 28 से 30 अक्टूबर तक; झारखंड में 29 अक्टूबर को; ओडिशा में 27 से 29 अक्टूबर तक; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 29 और 30 अक्टूबर को कई स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; ओडिशा में 27 से 29 अक्टूबर को अलग-अलग बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अगले 5 दिनों तक बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा) के साथ तूफान; मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक बिजली के साथ तूफान संभावित है।

पश्चिमी भारत:

- कोंकण और गोवा में 24 और 25 अक्टूबर को तथा मध्य महाराष्ट्र में 24 अक्टूबर को; गुजरात राज्य में 25 से 27 अक्टूबर तक कई स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 4-5 दिनों तक क्षेत्र में बिजली के साथ तूफान की संभावना है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 29 और 30 अक्टूबर को कई/कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है।

उत्तर-पश्चिमी भारत:

- अगले 4-5 दिनों तक उत्तर-पश्चिमी भारत में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं, सिवाय पूर्वी उत्तर प्रदेश के जहां अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस गिरने की संभावना है।

अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक, केरल के तटों और महाराष्ट्र एवं गुजरात के तटों के लिए चेतावनी हवा की चेतावनी:

प्रणाली के केंद्र के आसपास 45-55 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चल रही हैं और 26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और आसपास के दक्षिण-पूर्व अरब सागर में जारी रहेंगी।

लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों के आसपास 26 अक्टूबर तक 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, और 25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-

पूर्व अरब सागर और महाराष्ट्र एवं गुजरात के तटों के आसपास 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएँ चलने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और आसपास के दक्षिण-पूर्व अरब सागर में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 26 अक्टूबर तक लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र तथा कर्नाटक और केरल के तटों पर समुद्र की स्थिति खराब रहने की संभावना है। 25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 26 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, लक्षद्वीप और कोमोरिन क्षेत्र और कर्नाटक तथा केरल के तटों पर, और 25 और 26 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी अरब सागर और महाराष्ट्र तथा गुजरात के तटों पर न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर के क्षेत्रों के लिए चेतावनी

हवा की चेतावनी:

24 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर तथा पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के आसपास के क्षेत्रों में 35-45 किमी प्रति घंटे की गति से 55 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। 25 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में हवा की गति बढ़कर 50-60 किमी प्रति घंटे से लेकर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है और 26 अक्टूबर की शाम से 27 अक्टूबर की शाम तक तूफानी हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से लेकर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। 29 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम में हवा की गति बढ़कर 70-80 किमी प्रति घंटे से लेकर 90 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है। 25 से 28 अक्टूबर तक तमिलनाडु-पुडुचेरी तट पर 35-45 किमी प्रति घंटे से लेकर 55 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तूफानी मौसम रहने की संभावना है 26 अक्टूबर की शाम से हवा की गति बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है और 27 अक्टूबर की शाम से 29 अक्टूबर तक तूफानी हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 80 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है। 26 अक्टूबर से ओडिशा तट पर और उसके आसपास 35-45 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे की गति वाली हवा के साथ तूफानी मौसम रहने की संभावना है। 27 अक्टूबर से हवा की गति बढ़कर 45-55 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 65 किमी प्रति घंटे तक और 28 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक 50-60 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 70 किमी प्रति घंटे तक पहुँचने की संभावना है।

समुद्र की स्थिति:

24 अक्टूबर तक दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों अंडमान सागर और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है। 25 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है और 26 अक्टूबर की शाम से तेज़ हो जाएगी। 25 और 26 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है। 26 अक्टूबर की शाम से 27 अक्टूबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है और 28 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम में बहुत खराब से उच्च रहने की संभावना है।

25 अक्टूबर के दौरान आंध्र प्रदेश के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है। 26 अक्टूबर की शाम से 27 अक्टूबर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है और 28 से 29 अक्टूबर तक उच्च रहने की संभावना है। 26 अक्टूबर से ओडिशा के तटों पर समुद्र की स्थिति मध्यम से खराब रहने की संभावना है। 27 अक्टूबर को समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब और 28 से 29 अक्टूबर तक बहुत खराब से उच्च रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 25 अक्टूबर से दक्षिण-पश्चिम, बंगाल की खाड़ी से सटे मध्य क्षेत्र, तमिलनाडु-आंध्र प्रदेश के तटों और उसके आसपास तथा 26 अक्टूबर से ओडिशा के तट और उसके आसपास न जाएँ।

ii. 24 से 27 अक्टूबर, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: कंदुकुर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 17, नरसापुरम (जिला पश्चिम गोदावरी) 11, अमलापुरम (जिला बी आर अंबेडकर कोनसीमा) 10, तनुकु (जिला पश्चिम गोदावरी) 9, उदयगिरि (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 9, विंजामुर (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 8, कवाली (जिला एसपीएसआर नेल्लोर) 8, कलिंगपट्टनम (जिला श्रीकाकुलम) 8, ऑंगोल (जिला प्रकाशम) 8, पालकोडेरु (जिला पश्चिम गोदावरी) 7, भीमावरम (जिला पश्चिम गोदावरी) 7;

तमिलनाडु: पल्लीपट्ट (जिला तिरुवल्लूर) 15, नालुमुक्कू (जिला तिरुनेलवेली) 12, ऊथु (जिला तिरुनेलवेली) 11, अराकोणम (जिला रानीपेट) 10, बालामोर (जिला कन्याकुमारी), पेचिपराई एडब्ल्यूएस (जिला कन्याकुमारी), जोन 14 मेदावक्कम (जिला चेन्नई) 9 प्रत्येक, कक्काची (जिला तिरुनेलवेली) 8, तिरुवलंगाडु (जिला तिरुवल्लूर), चित्तार-1 (जिला कन्याकुमारी), पेचिपराई (जिला कन्याकुमारी), पेरुचनी बांध (जिला कन्याकुमारी), पुथन बांध (जिला कन्याकुमारी), तिरुतानी (जिला तिरुवल्लूर) 7 प्रत्येक;

उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: बागलकोट_बादामी_खानापुरा एस.के.-14, रायचूर_मास्की_मास्की1-11, कोप्पला_कुश्तागी_मेनेदल-10, बेलगावी_रामदुर्गा_होसाकेरी-10, बेलगावी_सौंदत्ती_मरकुम्बी-10, बेलगावी_रामदुर्गा_इदागल-9, बेलगावी_सौंदत्ती_इंचल-9, कोप्पला_करतागी_करातगी1-8, धारवाड़_कालघाटगी_बेलावंतरा-8, रायचूर_सिंधनूर_जवालगेरा-8, बेलगावी_रामदुर्गा_हलागट्टी-8, रायचूर_मास्की_मरलादिन्नी-7, रायचूर_सिंधानूर_अलाबानूर-7, बेलगावी_रामदुर्गा_तुरानूर-7;

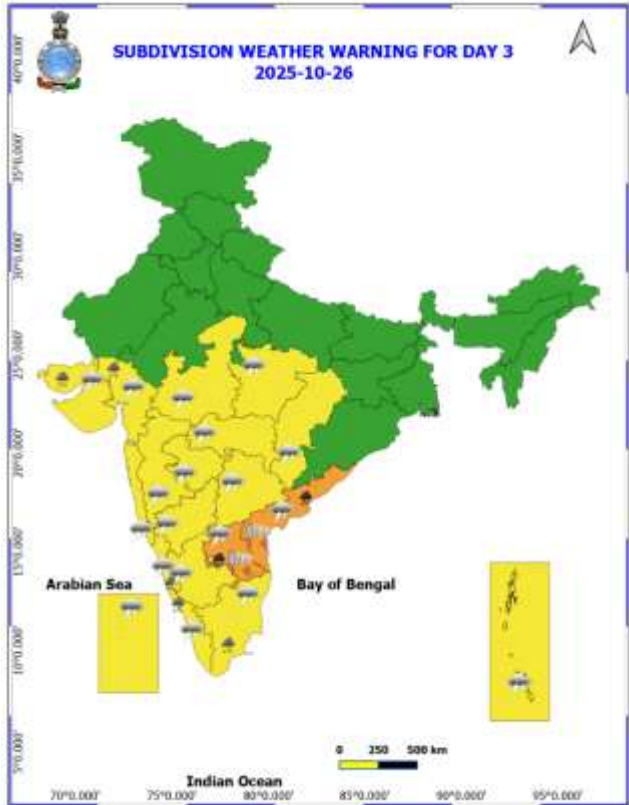
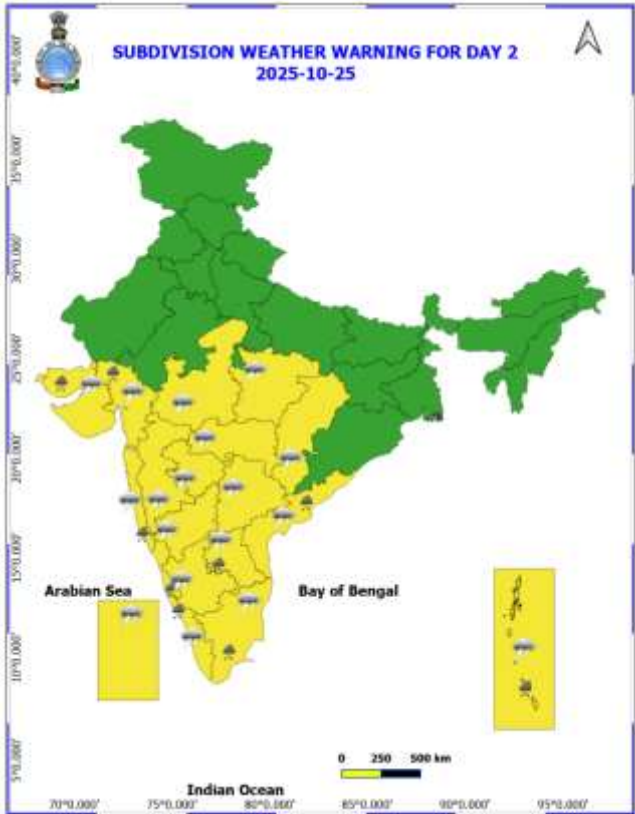
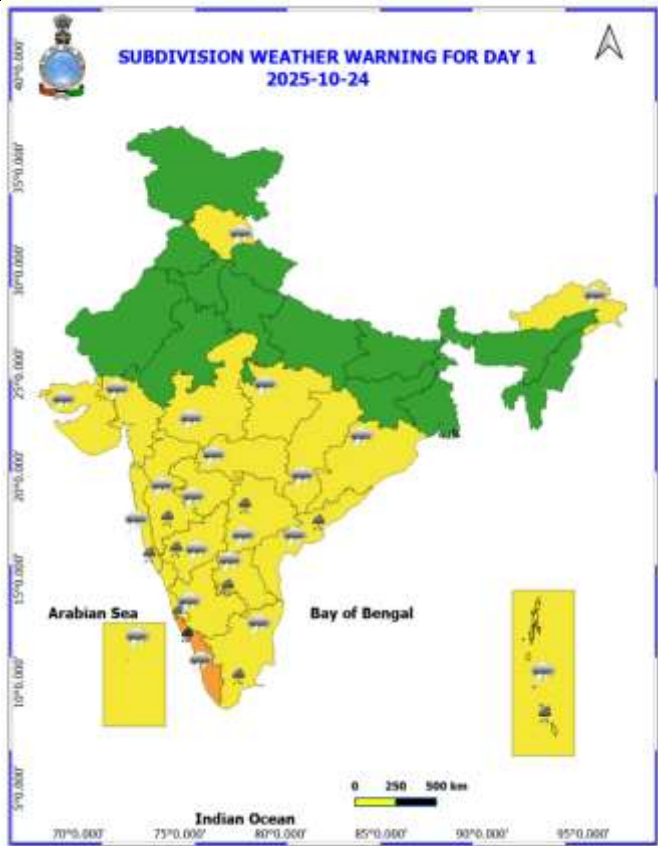
रायलसीमा: प्रोदुतुर (जिला वाईएसआर जिला) 13, राप्ताडु (जिला अनंतपुरम) 9, आलूर (जिला कुरनूल) 9, अतलूर (जिला वाईएसआर जिला) 8, पोरुमिला (जिला वाईएसआर जिला) 7, तिरुपति एयरो (जिला तिरुपति) 7, पेनागलुरु (जिला अन्नामय्या जिला) 7, नगरी (जिला चित्तूर) 7, अनंतपुर (जिला अनंतपुरम) 7, सुल्लुरपेटा (जिला तिरुपति) 7;

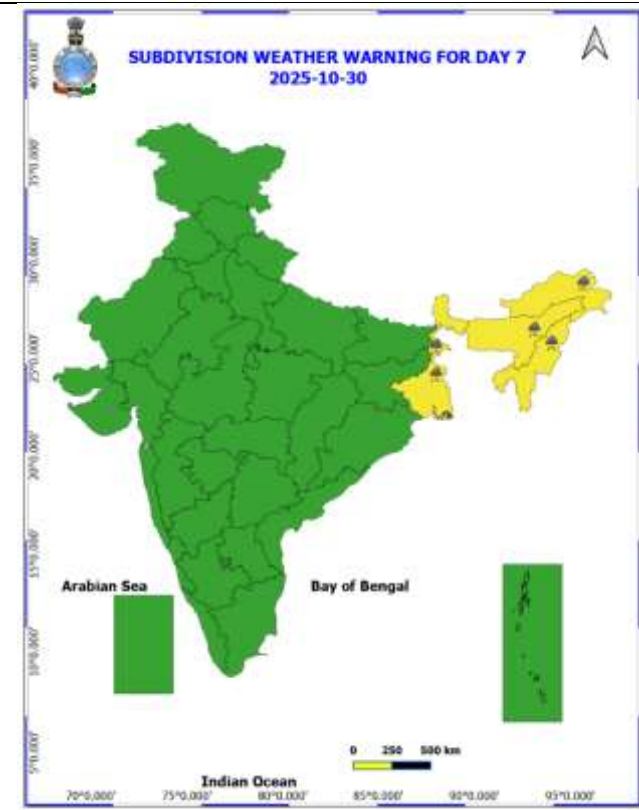
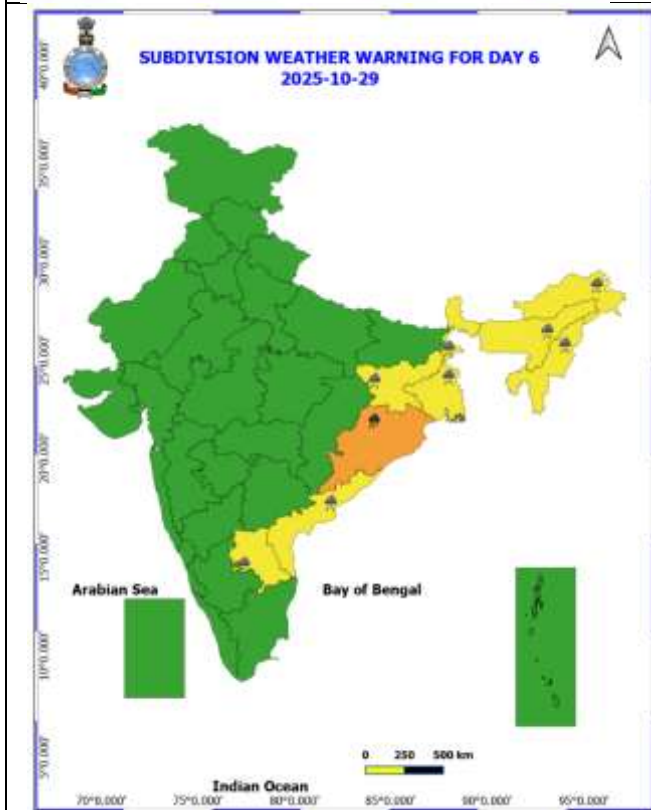
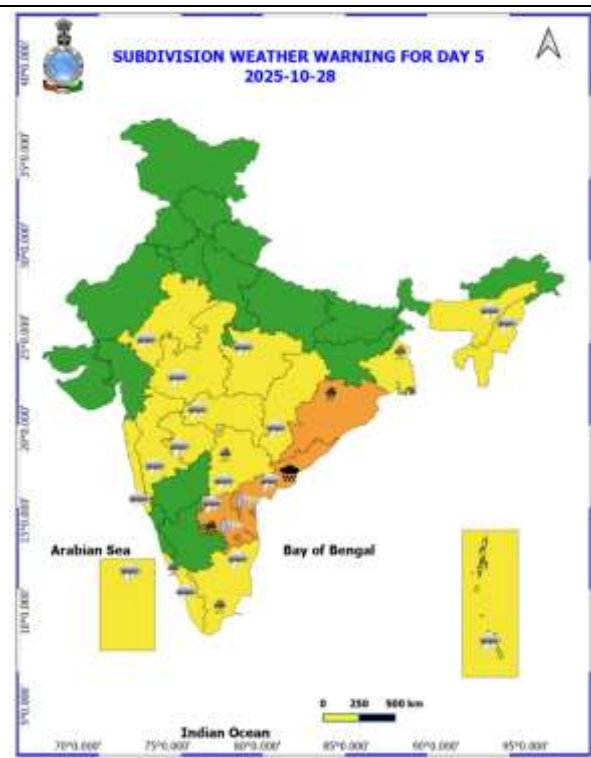
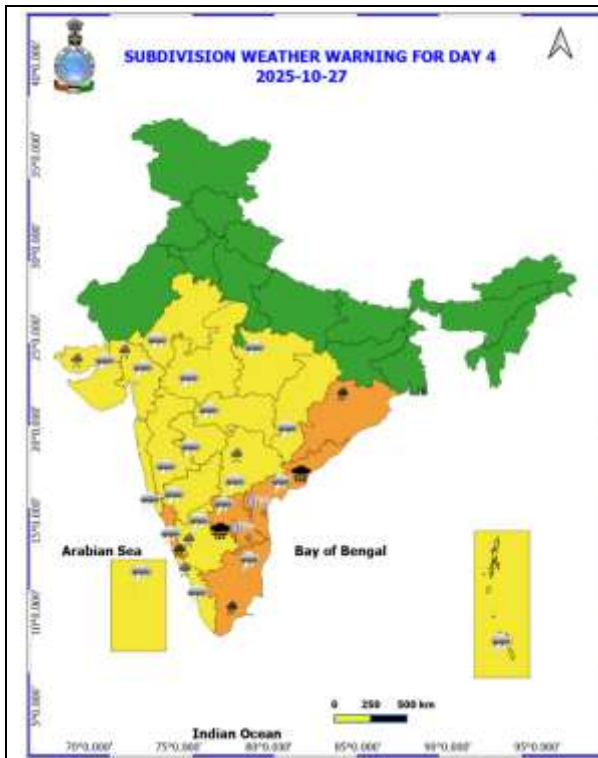
केरल: पोनमुडी (जिला तिरुवनंतपुरम) 9, चावरा (जिला कोल्लम) 7, कोन्नी (जिला पथानामथिट्टा) 7, परिपल्ली (जिला कोल्लम) 7, तिरुवनंतपुरम (जिला तिरुवनंतपुरम) 7;

दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: बल्लारी_सिरुगुप्पा_रविहाल 8.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	24- Oct	25- Oct	26- Oct	27- Oct	28- Oct	29- Oct	30- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL
8	JHARKHAND	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	WFS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	WFS	FWS	FWS	WFS	WFS	FWS	SCT
29	TELANGANA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
30	RAYALASEEMA	WFS	FWS	FWS	WFS	WFS	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WFS	WFS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WFS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	WFS	WFS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WFS	FWS	WFS	WFS	WFS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WFS	FWS	FWS	WFS	WFS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

24 से 27 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 16 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली प्रमुख सतही हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में पश्चिम दिशा से 8 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली परिवर्तनशील हवा के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहा।

महत्वपूर्ण मौसम संबंधी विशेषताएँ:

27 अक्टूबर, 2025 से 29 अक्टूबर, 2025 की सुबह तक, एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और भारत के आसपास के उत्तरी मैदानी इलाकों को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से, 27 अक्टूबर की शाम से 28 अक्टूबर, 2025 की सुबह तक दिल्ली में एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी होने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

24.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। अधिकतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहेगा। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली हवाएँ प्रमुख सतही होंगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 8 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

25.10.2025: सुबह के समय धुंध/धुंध के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रमुख सतही हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति घटकर 05 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

26.10.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, शाम के समय आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय धुंध/धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 5 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

27.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के दौरान दिल्ली में एक या दो बार बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी होने की संभावना है। सुबह के समय धुंध/धुंध छाई रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28 से 30°C और 18 से 20°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3°C तक अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4°C तक कम रहेगा। सुबह के समय प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी जिसकी गति 5 किमी प्रति घंटे तक होगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण प्रभाव और सुझाई गई कार्रवाई:

- 27 और 28 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में तथा 27 अक्टूबर को रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥ 21 सेमी) की संभावना है।
- 24 अक्टूबर को केरल और माहे में; 26-28 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा; 27 अक्टूबर को तमिलनाडु और तटीय कर्नाटक; 27 और 29 अक्टूबर को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

संभावित प्रभाव

- ✓ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद होना।
- ✓ भारी वर्षा के कारण दृश्यता में कभी-कभी कमी।
- ✓ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया।
- ✓ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ✓ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ✓ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन/कीचड़/भूस्खलन।
- ✓ जलप्लावन के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

सुझाई गई कार्रवाई

- ✓ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने रास्ते में यातायात की भीड़भाड़ की जाँच कर लें।
- ✓ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात परामर्श का पालन करें।
- ✓ उन इलाकों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ✓ असुरक्षित ढाँचों में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **आंध्र प्रदेश** में, परिपक्व मूंगफली की फसल और मक्के के परिपक्व भुट्टों की कटाई केवल साफ मौसम / वर्षा-रहित अवधि के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, कपास, मूंगफली, हल्दी, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा केले, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। जब तक मिट्टी में नमी इष्टतम स्तर पर न पहुंच जाए, तब तक रबी फसलों (रबी मक्का, बंगाल चना आदि) की बुवाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, धान और मूंगफली की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें तथा धान और मूंगफली की कटी हुई उपज और तोड़े गए केले के गुच्छों को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, गन्ना, कपास, उड़द, मक्का एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, केले और काली मिर्च के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु अतिरिक्त जल की निकासी के लिए उचित व्यवस्था करें। भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई या सीधी बुवाई एवं मक्का और कपास की बुवाई न करें।
- **केरल** में, धान एवं सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान एवं सब्जियों के खेतों और केले, नारियल, सुपारी, इलायची और काली मिर्च के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान के खेतों तथा नारियल, सुपारी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें। **उत्तर आंतरिक कर्नाटक** में, मक्का, मूंगफली और सोयाबीन की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकास करें।
- **कोंकण** में, धान और रागी की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। **मध्य महाराष्ट्र** में, धान, सोयाबीन, मक्का, मूंगफली और बाजरा की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।

- गुजरात में, धान, मूंगफली, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, मक्का, बाजरा और सब्जियों की परिपक्व फसलों की कटाई केवल साफ मौसम के दौरान ही करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें।
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, धान की कटी हुई उपज को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें। धान, सब्जियों और बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- कटी हुई फसलों को अच्छी तरह से बांधें और ढककर रखें ताकि तेज हवा के कारण विस्थापन का खतरा कम हो।

➤ किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

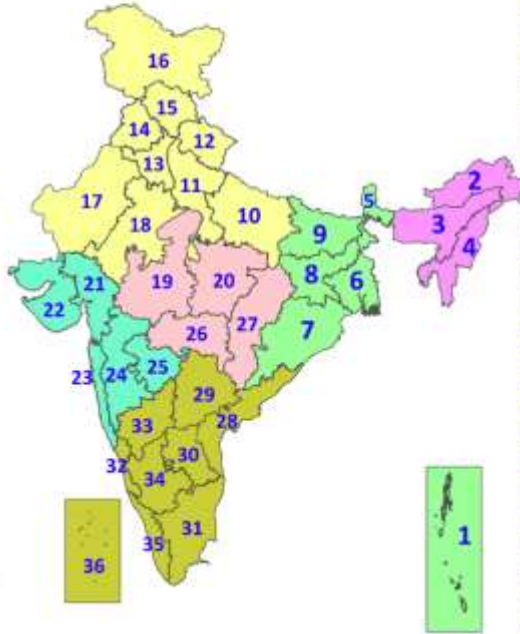
- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)